Empowering Youth with Skill Training

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

" जूनून है, कौशल है , तो सफलता आएगी ।"

छत्तीसगढ़ राज्य में व्यावसायिक शिक्षा एक महत्वपूर्ण प्रयास है जो शिक्षार्थियों को विशेष उद्योगों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक कौशल और ज्ञान प्रदान करके भविष्य की कार्यबल जनसंख्या को आकार देने में मदद करती है। यह शिक्षा आपूर्ति और रोजगार क्षमता के मध्य में एक सम्बन्ध स्थापित करने में मदद करती है और विभिन्न उद्योगों के लिए तैयार करती है। व्यावसायिक शिक्षा युवाओं को अपने व्यापार और उद्यमी विचारों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके माध्यम से छात्रों को नए और नवाचारी व्यवसायिक मार्गों का पता चलता है और उन्हें व्यापारिक प्रवृत्ति के साथ अपनी कौशल और नौकरी का निर्माण करने का अवसर मिलता है। शिक्षा और रोजगार योग्यता के बीच की गहराई को मिटाने की आवश्यकता को महसूस करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने व्यावसायिक शिक्षा के प्रशासनिक उन्नयन पर बल दिया है।

LAQSH Editorial Panel Members: Nitin Dewangan, Yogendar ku. Sahu, Krishan Kumar Kansari, Ramesh Jha, Vijay Gupta

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

लगन व मेहनत का फल

लगन और मेहनत से यदि कोई व्यक्ति कार्य प्रारंभ करता है तो वह व्यक्ति जीवन के हर राह में सफल होता है। सफल होने का अर्थ सिर्फ अपार धन का संग्रह ही नहीं होता बल्कि मानसिक सुख एवं आत्मसंतुष्टि सफल होने के अर्थ को ज्यादा व्यक्त करती है। रंजीत गंधर्व ऐसा ही लगनशील एवं मेहनती छात्र है जो शहर से दूर एक ग्रामीण क्षेत्र से अपनी 12वीं कक्षा की पढ़ाई अच्छे अंको से पूर्ण की किंतु गरीब परिवार से होने और धन के अभाव में आगे की उच्च शिक्षा पूरी नहीं कर पाया और BFSI के द्वारा बंधन बैंक में रिलेशनशिप ऑफीसर के पद पर पदस्थ हुआ। बैंक में रहते हुए बहुत सारे कार्य सीखें जैसे- खाता खोलना, पैसा ट्रांसफर करना, एटीएम से पैसा निकालना इत्यादि किंतु बैंक में काम करते-करते विभिन्न व्याख्यान एवं संगोष्ठी को सुनने एवं उसे अपने जीवन में आत्मसात करने पर ज्ञात हुआ कि भौतिक जीवन की चमक-धमक से मानसिक सुख और आत्मसंतुष्टि ज्यादा आवश्यक है इसलिए उसने बैंक से त्यागपत्र दे दिया और अपने उच्च शिक्षा के लिए अग्रसर हुआ तथा अपनी पूरी लगन और मेहनत से स्नातकोत्तर की पढ़ाई जारी रखी। रंजीत का लक्ष्य ऊपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करना है अतः वह दृढ़निश्चयी होकर अपनी तैयारी कर रहा है और अंततः वह अपने लगन और मेहनत के बल पर अंतिम लक्ष्य को प्राप्त कर जीवन में सफल होने को सार्थक करेगा। उम्मीद के आसरे में रहना पसंद नहीं मुझे मैं अपनी मेहनत से अपना आशियाना बनाऊंगा .यही मेरे प्यारे छात्र रंजीत की लगन

और विश्वास की कहानिया.....
तस्वीर बदलने के लिए सजना संवारना पड़ता है तक़दीर बदलनी है तो सिर्फ मेहनत ज़रूरी है। रंजीत की कुछ बैंकिंग की खास फोटो भी मेंने शेयर की जब उनके द्वारा बैंक में जाकर प्रशिक्षण लिया गया।

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

BE SKILLED. BE INDEPENDENT.

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

फर्श से अर्श तक का सफ़र

ये कहानी है ललिता सिदार की जो महासमुन्द जिला के अंतिम छोर मे बसे वनांचल ग्राम बड़ेसाजापाली की है ललिता मध्यम परिवार से ताल्लुक रखती है। ललिता ने 9वी से 12वी तक की पढाई व्यवसायिक विषय बैंकिग के साथ पूर्ण किया। वह समय जब व्यावसायिक कोर्स की शुरूवात हुई थी। ललिता ने बैंकिग कोर्स को पढ़ा नही, बल्कि सिखा या यु कहे उसे जिया। ललिता बताती है की यही समय था जब उनका व्यक्तित्व का विकास हुआ। आज ललिता नेहरू युवा केन्द्र खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम मे बतौर एन.एस.वी. के तौर पर कार्य करते हुये सामाजिक कार्य कर रही है। ललिता का सफर यही नही रूकने वाला था महिलाओ को सशक्त बनाने के लिये कराटे का प्रशिक्षण देने का कार्य करती है साथ ही स्वयं राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कई मेडल जीत चुकी है। ललिता का मानना है इन सभी उपलब्धियों को प्राप्त करने में व्यावसायिक शिक्षा सहायक हुये। खुदकी आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद की। इसे प्राप्त विभिन्न स्किल्स को सबसे महत्वपूर्ण मानती है तथा सभी विद्यार्थियों के पास व्यावसायिक शिक्षा का होना अनिवार्य मानती है।

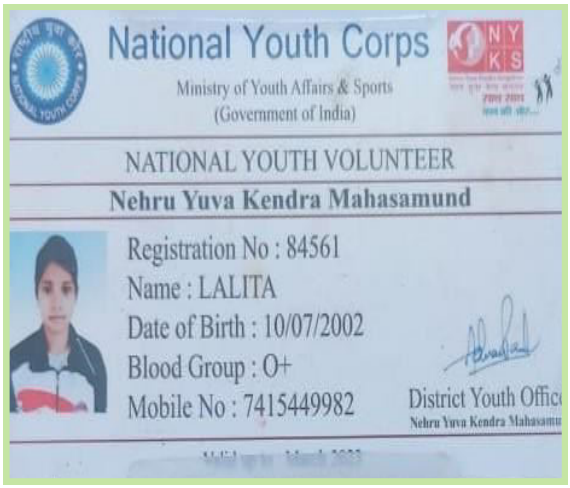

आपदा में अवसर

बबहुत बड़ा अंतर होता है सपने और हकीकत में और सपनों को पूरा करने के दरमियान जीवन में हुत सारे उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। ऐसी शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मंदिर हसौद की हमारी एक होनहार छात्रा तृष्णा विश्वास जिन्होंने बहुत कम उम्र में अपने पिताजी को खो दिया जिस समय उन्हें एक पिता की सबसे ज्यादा जरूरत थी। परिवार में कुल 4 सदस्य थे जिनमें सिर्फ पिताजी ही एकमात्र आय के स्रोत थे। उनके नहीं रहने पर घर की सारी जिम्मेदारियां माताजी के ऊपर आ गई जिसे निभाना आसान नहीं था, किंतु माँ ने इस विषम परिस्थिति का सामना करते हुए

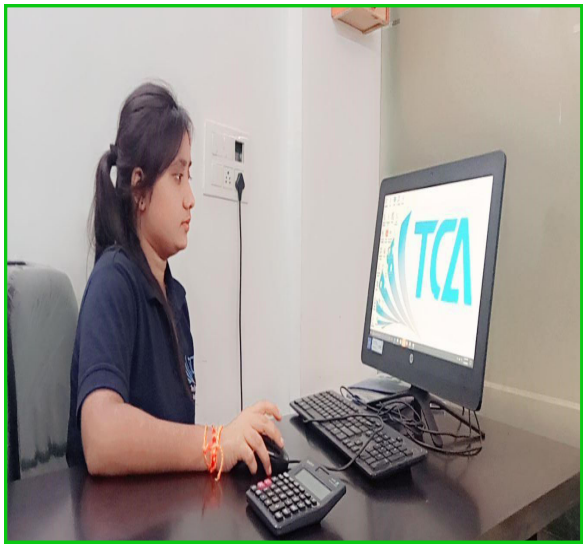

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

सिलाई-कढ़ाई का कार्य करते हुए घर के खर्चों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई के खर्चों को भी वहन किया। उनको शिक्षा का महत्व पता था इसलिए बच्चों के पढ़ाई को रुकने नहीं दिया। तृष्णा जो कि व्यवसायिक विषय लेकर पढ़ाई कर रही थी जो उनके व परिवार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण साबित हुआ। कक्षा नौवीं से बारहवीं तक उन्होंने जो भी व्यावसायिक कौशल सीखा था उनके बल पर उन्हें रायपुर की एक प्रतिष्ठित कंपनी में ऑफिस असिस्टेंट की जॉब आसानी से मिल गई जहां तृष्णा 8000/- रुपये प्रतिमाह वेतन प्राप्त करती है, जो परिवार की आर्थिक बोझ को कम करने में सहायक सिद्ध हुई। तृष्णा और आगे बढ़ना चाहती है जिसके लिए वह प्राइवेट विद्यार्थी के रूप में अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रखी है। इस प्रकार वह अन्य विद्यार्थियों के लिए एक उदाहरण है कि यदि आप किसी चीज को पूरे मन से प्राप्त करना चाहो तो आपको वह एक दिन जरूर मिल कर रहता है। **इसलिए कहते है की जहां चाह है, वहां राह है।**

कहते है मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता

दिहाड़ी मजदुर शब्द सभी ने सुना होगा। यह अगर परिवार के किसी सदस्य के बारे मे हो तो थोडा मन के भाव को बदल देता है, क्योकि इसमें कभी काम मिलता है कभी नहीं तथा काम नहीं मिलने पर घर की दैनिक जरुरतो को पूरा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। वैसे कोई काम छोटा या बडा नही होता,किन्तु कोई इंसान अपनी संतान को अपनी तरह दिहाड़ी मजदूर करते नहीं देखना चाहता। वे अपने बच्चो को अपने से बेहतर स्थिति में देखने का सपना संजोये रहते है, इसलिये वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का हर संभव प्रयत्न करता है। प्रत्येक छात्र में कुछ ना कुछ हुनर होता है,बस जरूरत होती है उसे पहचानने की चाहे खुद के द्वारा या किसी और के द्वारा। **एक व्यावसायिक प्रशिक्षक छात्र के अन्दर छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाने तथा उन्हें निखारने का प्रयास करता है।** यह कार्य तब सफल होता है जब छात्र सीखे हुवे व्यावसायिक कौशल

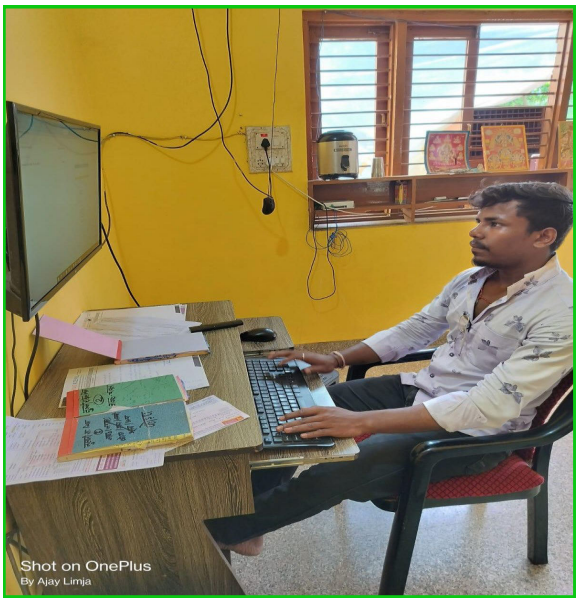

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

का उपयोग कर सफलता प्राप्त करता है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोरम से कक्षा बारहवी पास होने के बाद अजय आगे कि पढाई तो कर ही रहा है, साथ में रोजगार की भी तलाश कर रहा था। वह फोन करता था और कही जॉब दिलवा दीजिये सर करके निवेदन भी करता था। किन्तु किसी भी कार्य का अनुभव नही होने के कारण उन्हें जॉब दिलाना थोड़ा मुश्किल था, पर वह अपने प्रयास मे लगा रहा, और उसे एक रिटेल शॉप में, अनुभव नहीं होते हुवे भी उनके स्किल्स के आधार पर जॉब में रख लिया। **इस प्रकार धीरे-धीरे उन्हें कई जगह कार्य का अनुभव मिलता गया और आज अजय अपने उन्ही अनुभवों और कौशल के दम पर शहर के एक बड़े राइसमिल में असिस्टेंट अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है।** इस प्रकार अजय की जुझारूपन व स्किल्स ने जॉब राइस मिल का खाताबही संभाल रहा है। अब अजय फिर से मुझे फोन करता और कहता है सर मुझे **CA (Chartered Accountant)**का कोर्स करना है, क्योकि

मुझे इससे भी बड़ी कंपनीयों का अकाउंटिंग करना है। इस कोर्स के लिए विभिन्न माध्यमों से जानकारी इकठ्ठा कर रहा है जैसे- CA के लिये प्रवेश परीक्षा (CPT), फीस, कोर्स अवधि,इंटर्नशिप आदि।

जीवन में कुछ करना है तो हिम्मत और लगन के साथ आगे बढ़ना सीखो

इसी लाइन को सार्थक करते हुए साकरा ग्राम के एक छात्र ने यह कर दिखलाया की यदि **मन में चाहो तो राह मिल ही जाती है।** मन में कुछ कर गुजरने की तीव्र इच्छा पहले से थी और व्यावसायिक शिक्षा का साथ मिलने के कारण उसकी इच्छा और प्रबल हो गई। पिता नहीं होने के कारण माता जी को हमेशा संघर्ष करते हुए देखा और उनके लिए कुछ कर गुजरने की उसकी ललक बनी रहती थी। इसी दौरान उसका बड़ा भाई जो कॉलेज कर चुका था उसकी सहायता लेकर दोनों भाई ने गांव में अपना एक चॉइस सेंटर खोला और ललित को व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत बैंकिंग विषय लेकर पड़ा और उसे बैंकिंग के अच्छी जानकारी थी जिससे वह क्यों अपने भाई के साथ साझा किया और आज वह ग्राम में 12वीं पढ़ने के बाद चॉइस सेंटर संचालित कर रहा है। **जहां ऑनलाइन से संबंधित सभी कार्य फॉर्म भरना,**

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

BE SKILLED. BE INDEPENDENT.

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

रोजगार गारंटी में पंजीयन करना, जॉब कार्ड बनाना, पेन कार्ड बनाना आदि एवं बैंकिंग संबंधी कार्यों को बखूबी सम्पादित रहा है और साथ ही अपने सपनो को साकार करने की और कदम बढ़ा रहा है। उस छात्र का नाम है **ललित साहू, पिता प्रमोद कुमार साहू, माता होमरिका**, ग्राम साकरा, तहसील नगरी जिला धमतरी। जो की आज व्यावसायिक शिक्षा के कारण स्वयं का चॉइस सेंटर में काम कर अपने सपनो की उड़ान भर रहा है।

कहते हैं नारी पढ़ेगी तो विकास गढेगी.....

इस कथन को सत्य करते हुए संकरा ग्राम की रोशनी यादव अपने घर में 6 भाइयों बहनों में छोटी बहन है। जिनके पिताजी हाल ही में तबीयत खराब होने के कारण स्वर्गवास हो गये। और भाई ने घर का कार्यभार संभाला, और उससे जो भी बन पड़ा हुए अपने कार्यों को कर रहा है, साथ ही मां भी रोज मजदूरी और सिलाई कढ़ाई आदि कर, घर का भरण पोषण करते हैं। रोशनी इस बात से भलीभांति परिचित थी की शिक्षा से ही वह अपनी स्थिति को मजबूत कर सकती है। जब वह वोकेश्नल कोर्स लेकर बैंकिंग की पढ़ाई कर रही थी, तब उसने एक विशेष रुचि दिखाई। उसने ऐक तरह का मॉडल बनाकर क्लास में दिए गए हर कार्य को जरूर करके आती और हमेशा नई चीजें सीखने के लिए खुश रहती। जब उसने 12वीं की पढ़ाई कंप्लीट की तो उसने पंजाब नेशनल के सहायक बैंक मित्र चॉइस सेंटर खोलने का विचार किया, और यह बात अपने घरवालों से भी जाहिर की। वौ गांव में ही रहकर अपने परिवार के साथ हो यह कार्य आसानी से कर सकती थी और बैंकिंग से

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

लेकर पढ़ने से इसमें उसका ज्ञान और रुचि दोनों शामिल थे। गांव में एक भी चॉइस सेंटर नहीं होने के कारण 8 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। रोशनी द्वारा सहायक बैंक मित्र चॉइस सेंटर खोले जानने के बाद गांव के युवा वर्ग ऑनलाइन कार्य करने, बैंकिंग कार्य करने आदि के लिए बैंक मित्र का सहारा लेकर अपने वित्तिय कार्य को करने में सक्षम हो रहे हैं। **रोशनी गांव के लिए एक मिशाल के रूप में प्रेरणा बनी हुई है।**

मेहनत एक दिन रंग जरुर लाती है.....

आज हम एक ऐसे विद्यार्थी के बारे में चर्चा करेंगे, जिन्होंने हमेशा पढाई को सबसे अधिक महत्व दिया। वह स्कूल की प्रत्येक गतिविधि मे स्वस्फूर्त भाग लेती तथा हमेशा अन्य विद्यार्थियों से अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश में लगी रहती। जो उन्हें विभिन्न व्यावसायिक कौशल सीखने में सहायक सिद्ध हुई, और उनकी लगन और मेहनत ने रंग लाया तथा वह आज **धमतरी शहर के एक ख्याति प्राप्त ओरिएंट पब्लिक स्कूल में एक टीचर के रुप मे कार्यरत है।** व्यावसायिक शिक्षा के दौरान उन्हें विभिन्न कौशल सीखने का अवसर मिला, जिन्हें वह एक टीचर के रूप में कार्य करते हुवे उन कौशलो को और निखार रही है, जो उन्हें और आगे बढ़ने में निश्चित ही सहायक सिद्ध होगी। इस प्रकार वह जॉब करते हुवे अपने परिवार में आर्थिक योगदान दे रही है तथा अपने भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने के राह में धीरे –धीरे आगे बढ़ रही है. यह बात तो सच है कि एक परिश्रमी व्यक्ति पहले स्वयम् को, फिर परिवार तथा समाज को आगे बढाता है। **इसे ही शायद हुनर से शिखर तक पहुँचना कहते है।** यह कहानी है शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोरम की प्रतिभावान छात्रा **कुमारी कामिनी निषाद की जिनकी लगन व मेहनत ने उन्हें आज एक टीचर बनने में मददगार सिद्ध हुई।**

Empowering Youth with Skill Training

LAQSH Job Skills Academy—Chhattisgarh June 2023

बंद आँखो से सपने देखो, और खुली आँखो से उसे पूरा करने की जिद करो।

कहते है समय बदलते देर नहीं लगती। बुरे दौर का हिम्मत से मुकाबला करें तो मुसीबतें खुद ही दूर चली जाती हैं। पिता सब्जी मार्केट मे सब्जी बेचा करते हैं। कमाई इतनी ही थी कि किसी तरह अपना और परिवार का पेट भर सकें लेकिन कॉलेज में छात्रों को पढ़ते देख वे अपने बेटे के लिए सपने देखा करते थे। जब वह नौवीं कक्षा में था तब भी वह रात को देर तक जगकर पढ़ाई करता रहता। उसकी यह धुन देखकर पिता मन ही मन खुश होते थे लेकिन चिंता भी थी की कि वे बेटे की पढ़ाई की सारी जरूरतें पूरी कर पाएंगे या नहीं। वह जब नौवीं कक्षा में था तो व्यावसायिक विषय से परिचय हुवा। जिसमे उन्हें प्रशिक्षक द्वारा कोर्स के फायदे व कैरियर विकल्प के बारे में विस्तार से बताया गया। फिर क्या था, उसने इस कोर्स को एक अवसर के रूप में स्वीकार किया और व्यावसायिक विषय को पुरे लगन से पढ़ने की ठान ली। **बारहवीं पास करने के बाद कैंपस प्लेसमेंट में उसको रिलायंस स्टोर में एग्जीक्यूटिव के पद के लिए जॉब मिल गई।** लेकिन वैे फैसला नहीं कर पा रहा है कि परिवार की माली हालत सुधारने के लिए उसे नौकरी ज्वॉइन कर लेनी चाहिए, या मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर बेहतर भविष्य के लिए कोशिश करनी चाहिए। फिर उसने अपने पिता के सपने के साथ कॉलेज की पढ़ाई आगे जारी रखने का निर्णय लिया। लेकिन कही ना कही उसके मन में व्यावसाय करने की रूचि भी थी। कक्षा बारहवीं तक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया था, उसका उपयोग कर उसी दिशा में व्यावसाय करने की ठानी। **उसने गोहरापदर जिला गरियाबंद में एक छोटा सा किराना दूकान के साथ-साथ बैंकिंग ई-कियोस्क सेंटर से व्यावसाय की शुरुवात की और आगे की पढ़ाई भी प्राइवेट**

छात्र के रूप में जारी रखा हुवा है। वर्तमान में वह अपने किराने के दूकान से प्रतिमाह आठ से दस हजार रूपये कमा लेता है। इससे वह अपने परिवार के आर्थिक बोझ को कम करने व अपने आगे की पढाई के लिए उपयोग कर रहा है। इस जिम्मेदार छात्र का नाम है **प्रवीण जो शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय गोहरापदर जिला गरियाबंद छत्तीसगढ़ का होनहार छात्र था।**